रातिजगो मान लिज्यो घरका को पितर भजन

रातिजगो मान लिज्यो घरका को,
यो पाटा भरा दियो पितरा को।bd।

नौ महिना माता दुख पायी,
उंधो र झुल्यो गरभ क माही,
यो तो विकट काम छो खतरा को,
पाटो भरा दिया पितरा को।bd।

पुरा दिन हुया पीड चलाई,
दाई माई न तुरन्त बुलाई,
या तो पिंड छुडा दिया अबला को,
पाटो भरा दिया पितरा को।bd।

परभातिया थारो जनम हुयायो,
कंचन सोना को थाल बजायो,
दिल खुशी हो गयो घरका को,
पाटो भरा दिया पितरा को।bd।

बहिन भुआ न थार नुत बुलाया,
सांठचा बांदरवाल बंधाया,
हुयो मंगलाचार लुगायाँ को,
पाटो भरा दिया पितरा को।bd।

बडा बडा पंचा न बुलाई,
चुडा मांदल्या को मुर्हत कढाई,
जोशी टको माँग लियो पतडा को,
पाटो भरा दिया पितरा को।bd।

भक्त मंडल पितरा न मनाव,
आई [illegible] बनाव,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

थे तो घरका सु आंतरो मत राखो,
पाटो भरा दिया पितरा को।**bd**।

रातिजगो मान लिज्यो घरका को,
यो पाटा भरा दियो पितरा को।**bd**।

प्रेषक – धरम चन्द नामा सांगानेर।
9887223297

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com